

essay about importance of college education

CLICK HERE

Essay 1

On The Importance of Education in the Heathen Community

Scott D. Sapp

Attending: Cal-state University at Northridge

Major: RF/Microwave Electrical Engineering

As the heathen community grows, it becomes obvious that there are a few things we need in order to grow and prosper. Money is an obvious need, both for the hosting of events and the eventual purchase of land upon which to host these gatherings. Gothar with counseling skills, lore scholars with writing skills, and good decision makers with leadership skills are all worth their weight in gold, and more are necessary for the growth of heathenry as a whole. Also, though it may seem mundane, educated heathen professionals in the workforce is yet another important part of our future. Finally, even as the heathen community grows it must adapt to remain relevant. We live in a changing world with new challenges, and must be able to meet these challenges if we wish to preserve our folkway. There is one common denominator for all of these issues: Education. An educated heathen community is a strong, vibrant, and growing heathen community.

Though we have fine gothar throughout the various branches of heathenry, we need more people able to assume one particular duty of the regional lords and Icelandic gothar of elder days: Providing holy land and helping to host and fund events. In today's heathen community, we are lucky to have many people willing to step up to the plate and organize events for heathens to attend, whether limited to the folk of one town or open to

प्रौढ़ शिक्षा का महत्व

प्रजातंत्र की मूल भावना ही इस बात पर टिकी होती है कि उसकी जनता कितनी पढ़ी-लिखी, चेतनाशील और दूरदर्शी है। ये सभी विशेषताएँ तभी प्राप्त की जा सकती हैं, जब राष्ट्र का शिक्षा-स्तर अच्छा हो और उसका लक्ष्य जनोद्धार का हो। संभवतः इसी बात को ध्यान में रखते हुए संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति वुड्रो विल्सन का कथन ठीक था, “प्रजातंत्र की सफलता के लिए आवश्यक है कि हम अपने देशवासियों को शिक्षित करें।” किंतु यह खेद का विषय है कि अपनी निरक्षरता और अज्ञानता के चलते जनता की दुर्दम शक्ति भी बौनी साबित हो जाती है और प्रजातंत्र अपने शाब्दिक अर्थ में ही रह जाता है।

विश्व का सबसे बड़ा प्रजातांत्रिक देश होने के बावजूद, भारत में शिक्षितों की संख्या बेहद कम है। अगर सरकारी आंकड़ों पर विश्वास किया जाए, तो आज भी देश में निरक्षरों की संख्या 20 से 25 करोड़ के बीच में है, जबकि इस संदर्भ में स्वयंसेवी संस्थाओं और निजी सर्वेक्षणों के आंकड़ों पर विश्वास करें तो ये संख्या कहीं अधिक है। निरक्षरता के कारण आज भी वे समस्याएँ हल नहीं हो पायी हैं, जो अन्य देशों में 20-20 वर्ष पहले हल हो गई थीं। इस संदर्भ में यह कहना भी उचित होगा कि इस समस्या को अल्पकालिक उपायों के माध्यम से हल नहीं किया जा सकता, बल्कि इसके लिए दीर्घकालिक कार्यक्रम बनाने की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त देश की जनता आयु अनुपात के आधार पर भी शिक्षा लेने से हिचकिचाती है, इसी दुविधा की समाप्ति हेतु एवं हीनभाव को समाप्त करने के उद्देश्य से एवं प्रजातांत्रिक भावना को सुदृढ़ करने के लक्ष्य को ध्यान में रखकर प्रौढ़ शिक्षा योजना कार्यक्रम तैयार किया गया, जिसकी सफलता और असफलता को परिस्थितियाँ सुनिश्चित करेंगी।

प्रौढ़ शिक्षा का सीधा-सा तात्पर्य ऐसे निरक्षर लोगों को शिक्षा प्रदान करने का है, जो पारिवारिक हालातों के चलते शिक्षा से वंचित हो गए और आज विभिन्न कार्यों में अपनी छोटी-मोटी भूमिका निभाकर अपने परिवार का गुजर-बसर करते हैं। प्रौढ़ शिक्षा का उद्देश्य ऐसे निरक्षर नागरिकों को व्यावसायिक एवं तकनीकी ज्ञान देकर नागरिकता के अधिकारों एवं उसके कर्तव्यों का बोध कराना है।

एक साक्षर व्यक्ति ही अपने मताधिकार का समुचित प्रयोग कर सकता है। उसी के द्वारा ही प्रजातांत्रिक मूल्यों को समझा जा सकता है और उसी के द्वारा ही प्रजातंत्र में गैर-प्रजातांत्रिक और अप्रासंगिक मूल्यों के मिश्रण को रोककर उसका विरोध किया जा सकता है।

प्रौढ़ शिक्षा के पक्ष में आवाज स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद ही मुखर नहीं हुई थी, इसके पक्ष में तो अनेक समाज-सेवियों, राजनीतिक-कार्यकर्ताओं ने आवाज उठाई थी, जिसे व्यवहार में स्वतंत्रता के पश्चात् ही लाया जा सका, क्योंकि तब इस कार्य के प्रति प्रतिबद्धता तो थी, किंतु आवश्यक स्रोत उपलब्ध नहीं थे।

स्वाधीनता प्राप्ति के पश्चात् प्रौढ़ शिक्षा-कार्यक्रमों का तेजी के साथ प्रचार-प्रसार किया गया। 1949 में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने राज्य मंत्रियों के एक सम्मेलन में ‘प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम’ की एक पूरी योजना की शुरुआत की। सन् 1950 में ‘शैक्षणिक कारवाँ योजना’ के अधीन गाँव-गाँव में प्रौढ़ शिक्षा का प्रचार एवं प्रसार किया गया। 5 दिसंबर, 1969 को एक ‘प्रौढ़ साक्षरता मंडल’ की स्थापना की गई, जिससे प्रौढ़ शिक्षा के कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया। पंचवर्षीय योजनाओं में प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रमों को विशेष महत्व दिया गया।

पंचवर्षीय योजनाओं में अहम भूमिका निभाने वाले इस प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम की उपलब्धियाँ दुर्भाग्य से आशानुरूप नहीं रही। इसी को ध्यान में रखकर भारत सरकार ने 5 अप्रैल, 1977 को प्रौढ़ शिक्षा संबंधी एक नई नीति की घोषणा की। इस परियोजना को आगे बढ़ाते हुए 2 अक्टूबर, 1979 में प्रौढ़ शिक्षा का एक विराट कार्यक्रम लागू किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत देश भर के 10 करोड़ प्रौढ़ों को साक्षर बनाने का लक्ष्य रखा गया। राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत प्रौढ़ शिक्षा पाठ्यक्रम, शिक्षा प्रणाली, शिक्षण केंद्र आदि बातों की ओर विशेष ध्यान दिया गया है। राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा बोर्ड की स्थापना प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम को गतिशील बनाने के लिए की गई है। जिसके सदस्यों के तौर पर केंद्रीय मंत्री और योजना आयोग के अध्यक्ष को चुना गया। इसी योजना को और ज्यादा परिपक्व बनाने के लिए राज्य स्तर पर भी प्रौढ़ शिक्षा बोर्डों की स्थापना की जा रही है, लेकिन फिर भी इसमें अपेक्षित सुधार नहीं हो पा रहा है।

प्रशासन के कामकाजों में सुदृढ़ता, संचार साधनों का समुचित विकास, योग्य शिक्षकों की नियुक्ति और वित्तीय मामलों का समुचित प्रयोग और इनकी पारदर्शिता, प्रौढ़-शिक्षा कार्यक्रम को आवश्यक सफलता प्रदान करने में सहायक साबित हो सकती हैं।

The importance of a college education is also accentuated because of the opportunity to. I'm writing an argumentative essay right now about college and this is.

Why College Education Is Important? Essay. However the importance of college education, as well as the huge differences to high school, should not be overlooked.

Free importance of education papers. Importance of Education Essay] 1003 words. College education is becoming even more important than it has been in the past.

Importance of Education. Importance of Education Education is very important for our lives. Without education people wouldn't have.

Short Essay on the Importance of Education Gauri Dushi. The importance of education may be summed up as under. Highlights. 1. An essential human virtue. 2.

Why is college education such an important these days?. This Essay is Approved by Our Editor. Essays Related to Importance of college. Home; Join; FAQs.

A custom written essay example on importance of education in the modern world. Touch of Class. Essay example on importance of education; Sample essay on ethics in.

College Essay; Career; Courses; Studies;. ↑ Return to Essay Samples. Persuasive Essay: Why is Education Important in Our. Education is more than just learning.

. sample on the topic of Why College Education is. College Education is Important to Me. College education acts as the key to. admission essay.

. The Importance of Higher Education. Home. the college system will begin to loose importance and companies will. Q Free Essays R-Z Essay Topics.